Ministry of Health
and Family Welfare
Government of India

Help us to
help you

सावधानी और बचाव पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

1 वैक्सीन लगवाने के बाद मुझे क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

दोनों ही वैक्सीन सुरक्षित हैं लेकिन किसी भी तरह की असुविधा या शिकायत की स्थिति में लाभार्थी नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं और/या उस हेल्थ वर्कर को कॉल करें जिसका नंबर वैक्सीनेशन के बाद कोविन एस.एम.एस. में दिया हुआ हो।

2 अगर मैं HTN/DM/CKD/दिल की बीमारी/लिपिड डिसऑर्डर आदि का मरीज हूं तो क्या मेरे लिए वैक्सीन लेना सुरक्षित है?

कुल मिलाकर, वैक्सीन सुरक्षित है और गंभीर बीमारी वाले व्यस्कों में असरदार है। कोविड-19 वैक्सीन का सबसे ज्यादा फायदा उन लोगों को है जिन्हें इस तरह की एक या उससे ज्यादा गंभीर बीमारियां हैं। अगर आप किसी खास वजह से चिंतित हैं तो कृपया अपने डॉक्टर से सलाह लें।

3 कोविड-19 वैक्सीन लेने से पहले किन दवाइयों का सेवन नहीं करना चाहिए और कितने समय तक?

वर्तमान में, ऐसा कोई दिशा-निर्देश नहीं है। आप अपनी नियमित दवाई बिना किसी रोक-टोक के ले सकते हैं। बस वैक्सीनेशन के समय आप जिन दवाओं का सेवन करते हैं उसकी जानकारी वैक्सीनेटर को दे दें।

4 स्वास्थ्य मंत्रालय ने ब्लीडिंग या खून के थक्के बनने वाली बीमारी वालों को चेतावनी के साथ वैक्सीन देने की सलाह दी है। किसी इंसान को कैसे पता चलेगा कि उसे या खून के थक्के बनने वाली बीमारी है या नहीं? कौन से टेस्ट किए जा सकते हैं?

जिन्हें खून के थक्के बनने वाली बीमारी जैसे कुछ ब्लीडिंग डिसऑर्डर हैं, उन लोगों को उनका इलाज कर रहे फिज़िशियन की देख-रेख में वैक्सीन लगवानी चाहिए। ऐसे मरीज जो अस्पताल या आईसीयू में भर्ती हैं और ब्लीडिंग की शिकायत है, उन्हें डिस्चार्ज होने तक वैक्सीन नहीं लेनी चाहिए। हालांकि, दिल और दिमाग की बीमारियों वाले कई लोग खून पतला करने वाली दवा (ब्लडथिनर्स) जैसे कि ऐस्पिरिन और एंटीप्लेटलेट दवाओं का सेवन करते हैं। ऐसे लोग अपनी दवाओं का सेवन जारी रखते हुए वैक्सीन लगवा सकते हैं। उनके लिए, वैक्सीन बिल्कुल सुरक्षित है।

5 हेल्थ एडवाइज़री ये भी कहती है कि जिन लोगों को प्रतिरोधक क्षमता संबंधी समस्या है, उन्हें वैक्सीन लेने में सावधानी बरतनी चाहिए। 'प्रतिरोधक क्षमता संबंधी समस्याओं' का पैमाना क्या है?

प्रतिरोधक क्षमता संबंधी समस्याएं दो तरह की होती हैं: एक, किसी भी बीमारी जैसे कि एड्स की वजह से और प्रतिरोधक क्षमता खत्म करने वाली दवाओं जैसे कि कैंसररोधी दवाओं, स्टेरॉयड आदि का सेवन कर रहे लोगों में प्रतिरोधक क्षमता का नष्ट होना। दूसरा, उन लोगों में प्रतिरोधक क्षमता की कमी होना जो शरीर की सुरक्षात्मक प्रणाली में किसी विकार से पीड़ित हों जैसे कि जन्मजात इम्यूनो डेफिशिएंसी (इम्यून की कमी)।

वर्तमान में उपलब्ध कोविड-19 वैक्सीन में कोई जिंदा वायरस नहीं है। और इसीलिए जिन लोगों में प्रतिरोधक क्षमता की समस्या है वो भी सुरक्षित तरीके से वैक्सीन लगवा सकते हैं। लेकिन हो सकता है कि वैक्सीन उनमें उतना असरदार नहीं हो। वैक्सीनेशन के समय दवाओं के सेवन और अगर कोई इम्यून समस्या है तो उसकी पूरी जानकारी वैक्सीनेटर को देनी चाहिए। वैक्सीनेटर के पास लाभार्थी के मेडिकल कंडिशन का रिकॉर्ड होना चाहिए।

6 मुझे कोरोना हुआ था और मेरा इलाज हुआ था, तो क्या मुझे वैक्सीन लगवानी चाहिए?

एक बार कोविड-19 संक्रमण होने के बाद प्रतिरोधक क्षमता कितनी बढ़ेगी या कितने समय तक दोबारा कोरोना से सुरक्षा मिलेगी, ये तय नहीं है। इसलिए कोविड-19 संक्रमण के बाद भी वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती है। कोविड-19 के लक्षणों से उभरने के बाद वैक्सीन लगवाने के लिए 4-8 हफ्ते का इंतज़ार करें।

7 क्या पुरानी बीमारी वाले लोगों के लिए वैक्सीन की मनाही है?

पुरानी और गंभीर बीमारियों जैसे कि दिल संबंधी (कार्डियक), तंत्रिका संबंधी (न्यूरोलॉजिकल), फेफड़ा संबंधी (पल्मोनरी), मेटाबोलिक, गुर्दा संबंधी (रीनल) और असाध्य बीमारी आदि के लिए वैक्सीन का कोई जोखिम नहीं है। वास्तव में, गंभीर बीमारी वालों में कोरोना की गंभीर अवस्था और मौतों को रोकना ही कोविड-19 वैक्सीन का सबसे बड़ा फायदा है।